OM 7 INITIAL_Page 1 and 2 10-07-2014 21:36 Page 4

सम्पूर्णता के लिए तीव्र पुरुषार्थ

स्वमान- मैं इस धरा पर शांति और पवित्रता का अवतार हूँ।

जैसे भगवान इस धरा पर अवतरित हुए हैं, वैसे ही मैंने भी इस धरा पर अवतार लिया है...मैं शांति और पवित्रता के स्थापनार्थ अवतरित हुआ हूँ...इस धरा की अशांति और अपवित्रता मुझे प्रभावित नहीं कर सकती...। मुझसे सतत् शांति और पवित्रता का प्रवाह सारे संसार में फैल रहा है...।

योगाभ्यास - अ. अमृतवेले से लेकर रात्रि तक रोज़ दस बार इस स्वमान को बहुत गहराई से अपनी फीलिंग में लायें कि मैं इस धरा पर अवतार हूँ।

ब. रोज़ कम से कम एक बार एकांत में जाकर अपने आप से बातें करें- संगमयुग में मैं भगवान से क्या-क्या प्राप्त कर सकता हूँ...क्या संगमयुग में मैं वही कर रहा हूँ जो मुझे करना चाहिए...या मैं, मैं और मेरा के जंजाल में उलझा हुआ हूँ...मैं अपने जमा का खाता बढ़ाता जा रहा हूँ...या व्यर्थ में ही अपने खज़ानों को नष्ट कर रहा हूँ...?

धारणा - निष्काम भाव से ईश्वरीय कार्य करें। निष्काम सेवा का बल और पुल पदमगुणा ज़्यादा प्राप्त होता है। निष्काम सेवा ही सदा सफल होती है।

चिन्तन - कामनायुक्त सेवा से क्या नुकसान है? सेवा में निष्काम कैसे रहें?

तीव्र पुरुषार्थियों के प्रति - प्रिय आत्मन्। हमें सर्व के लिए अपने दृष्टिकोण, अपनी भावनाओं और विचारों को सदा श्रेष्ठ रखना चाहिए, खासकर अपने निकट संबंधियों और साथियों के लिये। यदि आप उनके लिये घृणा, ईर्ष्या या बदले की भावना रखेंगे तो आपके वायब्रेशन्स उनके मन में भी आपके लिये ऐसी ही भावना पैदा करेंगे और बुरी वृत्ति ही आपके आसपास के वायुमण्डल के लिये ज़िम्मेदार हैं।

स्वमान - मैं मास्टर मुक्ति-जीवनमुक्ति दाता हूँ।

शिवभगवानुवाच - मुक्ति और जीवनमुक्ति के मास्टर दाता बनने की विधि है - सेकेण्ड में देहभान से मुक्त हो जायें। जैसे इन स्थूल कर्मेन्द्रियों को जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें वैसे यूज़ कर सकते हैं, ऐसे ही मन के ऊपर इतना कन्ट्रोल हो कि जब चाहें जिस स्थिति में चाहें, जितना समय चाहें, उतना समय एकाग्र हो जायें, अचल हो जायें, इस नए वर्ष में इस होमवर्क पर विशेष अटेंशन दें।

योगाभ्यास - अ. मैं आत्मा राजा भृकुटि सिंहासन पर...सभी स्थूल-सूक्ष्म कर्मेन्द्रियाँ मेरे सामने...एक-एक कर्मेन्द्रियों से हालचाल पूछें...और उनकी महानताओं को याद दिलायें...फिर योग के द्वारा प्रत्येक कर्मेन्द्रियों को प्योर वायब्रेशन्स दें...अनुभव करें कि सभी कर्मेन्द्रियाँ शांत, शीतल और सुगंधित हो रही हैं।

ब. रूहानी ड्रील - तीनों लोकों की सैर करते हुए स्वयं को एकाग्र करें - कभी मैं फरिश्ता ग्लोब के ऊपर...कभी वतन में बापदादा के सम्मुख...तो कभी परमधाम में ज्ञान सूर्य की किरणों के नीचे...।

धारणा - निमित्त भाव। सदा याद रहे - करावनहार बाप मुझ करनहार आत्मा द्वारा सेवा करा रहे हैं। मैं आत्मा निमित्त हूँ। निमित्त भाव से निर्माण स्थिति स्वत: ही हो जाती है और निर्माण स्थिति से देहभान स्वत: ही समाप्त हो जाता है।

चिन्तन - क्यों आवश्यक है एकाग्रता की शक्ति को बढ़ाना? कौन-कौन सी बातें हमारी एकाग्रता को भंग करती हैं? एकाग्रता की शक्ति को कैसे बढ़ायें? एकाग्रता के लिये बाबा के महावाक्य।

तीव्र पुरुषार्थियों के प्रति - प्रिय साधकों! एकाग्रता से हमें सर्व शक्तियाँ और सर्व सिद्धियाँ प्राप्त होती हैं। एकाग्रता से एक बाप से सारे संसार की सर्व प्राप्तियों का अनुभव होता है और हर कार्य में सहज सफलता भी प्राप्त होती है। अत: आप सारे दिन में अपने मन-बुद्धि को बार-बार एकाग्र करने का अभ्यास करते रहें।

परमात्म शक्ति द्वारा होगा मनोविकारों का परिवर्तन

कोल्हापुर। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. राजू, श्रीरामप्रसाद झंवर,चेयरमैन,झंवर ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़, सुनिता राऊन,मेयर,कोल्हापुर, अस्थिरोग विशेषज्ञ एवं लेखक डॉ. पी.जी. कुलकर्णी, ब्र.कु. सुनंदा, पूजा बिल्डर्स के पारस ओसवाल, उद्योगपति जी.टी. वसाजी, स्मैक के अध्यक्ष सुरेन्द्र जैन, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक घाटगे तथा पूर्व नगरसेविका पद्मजा तिवले।

कोल्हापुर। वर्तमान समय दुनिया में अत्याचार, भ्रष्टाचार एवं मनुष्यों के अंदर द्वेष, मत्सर व मनोविकार बढ़ रहे हैं। इसके निवारण हेतु हरेक को शुभ चिंतन करने की ज़रूरत है। अपने मन को एकाग्र कर स्वयं का परिवर्तन करें क्योंकि स्व-परिवर्तन से ही विश्व परिवर्तन हो सकता है।

उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'परमात्म शक्तियों की प्राप्ति द्वारा महापरिवर्तन का समय' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. राजू,को-ऑर्डिनेटर,ग्राम विकास प्रभाग,ब्रह्माकुमारीज़ माउण्ट आबू ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ती हुई जनसंख्या, प्रदूषण आदि समस्याएँ बढ़ती ही जा रही हैं। अत: परिवर्तन होना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि परिवर्तन तो सृष्टि का नियम है। इस परिवर्तन में सृष्टि का अंत नहीं होता अपितु मनुष्यों के अंदर छिपे हुए अवगुणों का, पापों का, विकारों का अंत होता है। इसलिए सभी स्वयं को विकारों से दूर रख दैवी गुणों को धारण करें और विश्व परिवर्तन में अपना अमूल्य योगदान दें।

श्रीरामप्रसाद झंवर,चेयरमैन,झंवर ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ ने कहा कि समाज में सुख-शांति लाने के लिए मनुष्य को पहले स्वयं का परिवर्तन करना होगा तभी वो इस उद्देश्य में सफल हो पाएगा। उन्होंने कहा कि इस दिशा में ब्रह्माकुमारीज़ संस्था का कार्य बहुत ही सराहनीय है।

सुनिता राऊन,मेयर,कोल्हापुर ने कहा कि तन-मन-धन से ब्रह्माकुमारीज़ संस्था समाजोन्नित के लिए कार्यरत है। लोगों के लिए यह संस्था आशा की किरण है।

सुप्रसिद्ध अस्थिरोग विशेषज्ञ एवं लेखक डॉ. पी.जी. कुलकर्णी ने कहा कि जनसामान्य को सही दिशा दिखाने का कार्य यह संस्था कर रही है। लोगों के दुर्गुण नष्ट कर उनके अंदर सद्गुणों को बढ़ाने के लिए यह संस्था अविरत प्रयत्नशील है।

ब्र.कु. सुनंदा ने आये हुए सभी अतिथियों तथा सभा में उपस्थित सभी जनों का स्वागत किया। ब्र.कु. आशा ने सभी को ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की जानकारी देते हुए यहाँ की गतिविधियों से परिचित करवाया।

इस अवसर पर पूजा बिल्डर्स के पारस ओसवाल, उद्योगपति जी.टी. वसाजी, स्मैक के अध्यक्ष सुरेन्द्र जैन, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक घाटगे, पूर्व नगरसेविका पद्मजा तिवले आदि गणमान्यजन उपस्थित थे। सभी उपस्थित मान्यवरों के द्वारा दीप प्रज्वलन कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। ब्र.कु. सुनिता ने मंच का कुशल संचालन किया तथा सभी का आभार व्यक्त किया।

अशोकनगर-धुलिया(महा.)। पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु. प्रमिला तथा ब्र.कु. कमला।

अलकापुरी-वड़ौदा(गुज.)। ओ.एन.जी.सी.,सेन्ट्रल वर्कशॉप के स्वर्णजयन्ति के अवसर पर 'वर्क विदाउट स्ट्रेस' विषय पर गेस्ट टॉक करते हुए ब्र.कु. नरेन्द्र पटेल। कार्यक्रम में सेन्ट्रल वर्कशॉप के जी.एम. एवं हेड आर.जी. राम, जी.एम. पी.वी. सुबालकर तथा देशभर से आये हुए ओ.एन.जी.सी. के सीनियर एक्ज़ीक्यूटिव्स।

भोकरदन-महा.। केन्द्रीय राज्य ग्राहक स्वरक्षण मंत्री रावसाहेब पा.दानवेजी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. अनिता। साथ हैं ब्र.कु. लता।

टिकरापारा-विलासपुर(छ.ग.)। 12 दिवसीय बाल संस्कार शिविर के समापन समारोह में अभिभावकों को दिव्य उद्बोधन देते हुए ब्र.कु. मंजू। ध्यानपूर्वक सुनते हुए अभिभावकगण।

दिल्ली-लॉरेन्स रोड। 'ब्रेन हेल्थ एण्ड फिटनेस' विषय पर आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. लक्ष्मी, ब्र.कु. संजीव तथा अन्य भाई बहनें।

वांववडे-कोल्हापुर। नव निर्मित भवन का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. दिव्या, ब्र.कु. सुनंदा तथा बी.सी. मालाकर, सह-आयुक्त,इनकमटैक्स,कोल्हापुर।